ग्राम तल्ला दुम्मर

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 28 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 16 दिसम्बर 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

भू-कानून और मूल निवासी पर जाग चुका है पहाड़

झोल देने वाले अपने पैंतरे भिड़ा रहे हैं

कार्यालय प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड में हुई भूमि की लूट पर पहाड़ जाग चुका है, यही कारण है चारों ओर से आवाज उठ रही है कि भू-कानून सख्ती से लागू हो। साथ ही मूल निवासी के लिये प्रदर्शन होने लगे हैं ताकि अनावश्यक रूप से प्रदेश में अत्याचार न हों। हालातों को देखते हुए सरकार ने भी इस दिशा में तेवर दिखाए हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस दिशा में उम्मीद दिखाई है। सचिव राजस्व ने कहा है कि भू कानून के उल्लंघन के मामले में कार्रवाई जारी है। कितने मामलों में नोटिस जारी हुए, यह संख्या अभी तक बताना सम्भव नहीं है। उल्लंघन के मामलों में जहाँ अधिकारियों व कर्मचारियों की जानबूझकर की गई गलतियां सामने आएंगी तो उन पर सख्त कार्रवाई होगी।

भू-कानून और मूल निवासी मामले पर जिस प्रकार से जनजागरण हुआ है, उसे देखते हुए हमेशा से उत्तराखण्ड विरोधी रहे सांसत में हैं। मामले को झोल देने के लिये अपने पैंतरे भिड़ा रहे हैं। ऐसे लोग एक ओर पर्वतीय होने का ढोंग रच रहे हैं दूसरी ओर गोलबन्द होकर घालमेल करना चाह रहे हैं ताकि उनकी चलती रहे। इन्हीं बातों को लेकर एकता मंच ने लम्बी लड़ाई की तैयारी की है। मंच के नेताओं का साफ कहना है कि इसे सिकी पार्टी या राजनीति का रंग न दिया जाए बल्कि सच्ची लड़ाई हो। उक्रांद ने तय किया है कि यह लड़ाई जारी रहेगी। कांग्रेस ने सरकार से जवाब मांगना शुरू कर दिया है कि वह भू-कानून और मूल निवासी मुद्दे पर क्या कर रही है और क्यों इसकी धारा को बदलने का प्रयास किया जा रहा है। इस बीच तमाम संगठन और बुद्धिजीवी इन मुद्दों पर जागरूकता अभियान में जुटे हुए हैं।

उत्तरकाशी में देवभूमि विचार मंच की ओर से आयोजित महापंचायत में हैदराबाद की गोशामहल सीट से भाजपा विधायक टी राजा सिंह पधारे और भूमि अतिक्रमण और लैंड जिहाद के खिलाफ यूपी के सीएम योगी के फार्मूले की पैरवी की। कहा कि जिस प्रकार योगी बुलडोजर से सबक सिखाते हैं, उसी प्रकार उत्तराखण्ड में भी बुलडोजर खरीदे जाने की जरूरत है। यह भी कहा कि वर्ष 2000 में जब उत्तर प्रदेश से उत्तराखण्ड अलग हुआ था तो तब से अब तक यहाँ की डेमोग्राफी में काफी चिन्ताजनक तरीके से बदलाव हो गया है। उत्तराखण्ड का हर व्यक्ति चाहता है कि प्रदेश लैंड जिहाद मुक्त हो।

मल्ला जोहार विकास समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने फिर दोहराया है कि अपनी जमीनों को किसी भी बाहरी व्यक्ति के हवाले न करें और सुरक्षात्मक इन्तजाम के लिये सतर्क रहें। द्वाराहाट के तहसील सभागार में भू कानून के अनुपालन पर जोर देते हुए लोगों से भू उपयोग सम्बन्धी सुझाव मांगे गए। साथ ही चकबन्दी व्यवस्था पर भी मंथन किया गया। रानीखेत में संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल आनन्द तथा द्वाराहाट में एसडीएम सुनील कुमार पन्त की अध्यक्षता में भू कानून को लकर बैठक आयोजित की गई। इसमें बाहरी व्यक्तियों के राज्य में जमीन खरीदने और कब्जे की प्रवृत्ति पर सख्ती से रोग लगाने तथा स्थानीय निवासियों की जमीन की खसरा खतौनियों को कम्प्यूटरीकृत करने के दौरान हो रही त्रुटियों में सुधार के लिए प्रपत्र 12 को सुचारू करने का मुद्दा उठा। फिलहाल जमीनों को लेकर प्रदेशवासी सजग होने लगे हैं।

जोहारियों का शौका बहुल गाँव बचेगा तभी संस्कृति बचेगी

जगदीश सिंह बृजवाल

आदिकाल से वर्तमान तक मानव ने अपने विकासोन्मुख के मार्ग को प्रशस्त किया है. जिसमें संस्कृति, समाज, समुदाय ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। मनुष्य को आभास हुआ कि एकांकी जीवन, कुटम्ब से आगे समाज व समुदाय में अधिक सुरक्षित रहा जा सकता है। मानव प्रौगेतिहासिक काल, पूरा पाषाण काल, नवपाषाण काल, धातु युग से आधुनिकता तक का लम्बा समय तय कर चुका है।

समाज व समुदाय का छोटा-सा स्वरूप 'गाँव' जहाँ के निवासियों ने अपनी आवश्यकता हेतु संस्कृति व सांस्कृतिक जीवन को भी महसूस किया, जीवन में क्रमबद्धता पूर्वक जीवन यापन शैली, सुरक्षित व संरक्षित योजना का एक रूप ही 'संस्कृति' कहलाया। जिसके बीच 'सभ्यता' ने भी जन्म लिया था। संस्कृति- बोली-भाषा, बेश-भूषा, रहन-सहन, खान-पान, धार्मिक मान्यताएँ, सांस्कृतिक जीवन संस्कृति के अवयव बन गये।

जोहार घाटी के शौका जाति ने महान हिमालय के तलहटी में जिस समृद्धशाली संस्कृति को विकसित किया है उसे वर्तमान तक यथावत रखने में कामयाब तो हुए, किन्तु अब हिलती नींव, विछिन्न समाज, आज के विषम परिस्थितियों का वातावरण किस ओर इशारा करती है?

जोहार के शौका और उनकी संस्कृति की खूबसूरती अपनी बोली-भाषा जिसके बिना संस्कृति को बचाये रखना सम्भव नहीं है। बोली-भाषा, रीतिरिवाज, प्रथाएँ, धार्मिक मान्यताएँ जो अतीत से वर्तमान तक विशिष्टता से भरा है, जिसे आज भी आंशिक रूप से गाँव के समाज, समुदाय में ही दर्शन होते हैं। 'गाँव बचेगा तभी संस्कृति बचेगी'।

गाँव और गाँव के लोगों की विशिष्ट विशेषताएं- अपनी बोली-भाषा में बोलकर गाँव घर-परिवार में वातावरण बनाया जाना, सामुहिक कार्य, श्रम सहयोग का आदान-प्रदान, पूजा-पाठ आदि हर कार्यों में संस्कृति की झलक कुछ-न-कुछ अवश्य दिखाई देती हैं। गाँव के लोगों का सरल जीवन, कठिन मेहनत, विरासती कारोबार- कृषि, पशुपालन, ऊनी-कारोबार में भी 'संस्कृति' का आभास होता ही है, अपनी पुरखों की स्मृतियां वास्तव में गाँव में हैं।

आज शौकाओं का विरान होते गाँव, पलायन की मजबूरी, रोजी-रोटी सवाल तो दुसरी तरफ़ सदियों से विरासती संस्कृति का हिचकोले खाते नज़र आना। असमंजस की स्थिति भी बनी है। जहाँ चन्द लोगों की कोशिश भी कामयाब होती कम ही दिखाई दे रही है। नयी पीढ़ी की बेरूखी, पुरानी तथा नयी पीढ़ी देखने वाले आज के बुजर्गों की उदासीनता अपनी संस्कृति की नय्या को डूबते अवश्य देख भी रही है। जिसे बचाये रख पाएं या नहीं किन्तु वह समय आऐगा जब शौका व्यक्ति अनजान राही की तरह दर-दर भटकते फिरेगा। बस.....। इसलिये सम्भलो.....

(यह लेखक का मनोभाव है)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

राजनीति

'असन्तुष्ट आत्माओं का सागर'!

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि राजनीति असन्तुष्ट आत्माओं का सागर है, जहाँ हर व्यक्ति दुःखी है और अपने वर्तमान पद से ऊँचे पद की आकांक्षा रखता है। नागपुर में 'जीवन के 50 स्वर्णिम नियम' नामक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर गडकरी ने कहा कि जीवन समझौतों और विरोधाभासों का खेल है। चाहे व्यक्ति पारिवारिक, सामाजिक, राजनीतिक या कॉरपोरेट जीवन में हो, जीवन चुनौतियों और समस्याओं से भरा है और व्यक्ति को उनका सामना करने के लिये जीवन जीने की कला को समझना चाहिये।

राजनीति में अनुभवी और अपनी शैली के लिये सबके प्रिय गडकरी कहते हैं कि जो पार्षद बनता है वह इसलिए दुखी है कि क्योंकि उसे विधायक बनने का मौका नहीं मिला और विधायक इसलिये दुखी होता है कि क्योंकि उसे मंत्री पद नहीं मिल सका। जो मंत्री बनता है वह इसलिए दुखी रहता है कि उसे अच्छा मंत्रालय नहीं मिला और वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाया तथा मुख्यमंत्री इसलिए तनाव में रहता है क्योंकि उसे नहीं पता कि कब आलाकमान उसे पद छोड़ने के लिए कह देगा।

गडकरी जी ने पुस्तक विमोचन के अवसर पर जितना कुछ कहा वह सौ आना सही है क्योंकि राजनीति के द्वारा समाज सुधार की बात करना वर्तमान में कहने भर के लिये है। व्यवहार में साफ-साफ दिखाई दे रहा है कि असन्तुष्ट आत्माएं किसी भी तरह पद चाहती हैं। सत्ता में रहते हुए नेतागण जिस प्रकार से अपनी निजी कार्यों पर ही रुचि ले रहे हैं, उससे कैसे मान लें कि यह जनहित का कार्य है। पद और सत्ता पर आते ही अकूत सम्पत्ति कैसे जोड़ लेते हैं, यह समझने की बात है। एक बार सत्ता का स्वाद लग जाने के बाद विधायक से मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद और भी आगे तक इनकी नज़र होती है। अपनी इन्हीं उलझनों में उलझे नेता जननेता कहलाने योग्य नहीं हैं। समाज को आगे ले जाने और न्यायसंगत बात करने वालों को आगे लाने के लिये जनता ने ही निर्णय लेना है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

नेपाल को दो करोड डॉलर की सहायता

काठमाण्डू। नेपाल सरकार ने प्रधानमंत्री के.पी.शर्मा ओली की चीन यात्रा से पहले इस देश से अनुदान सहायता के रूप में दो करोड़ अमेरिकी डॉलकर की परियोजनाएं स्वीकार की हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर चौथी बार पदभार ग्रहण करने के बाद यह ओली की पहली चीन यात्रा है।

पाकिस्तान में कई दिनों बाद संघर्ष विराम

पेशावर। पाकिस्तान के अशान्त खैबर पख्तूनख्वा प्रान्त में दो कबालयी समूहों के बीच कई दिनों तक चली झड़पों के बाद संघर्ष विराम समझौता हो गया है। इन झड़पों में अशान्त कुर्रम के उपायुक्त जावेदुल्ला महसूद ने जिले के संघर्ष वाले क्षेत्रों में शान्ति स्थापित होने की पुष्टि की।

जॉर्जिया पुलिस ने विपक्षी नेता को पकड़ा

त्बिलिसी। जॉर्जिया की पुलिस ने चिलिसी में विरोध प्रदर्शन के दौरान विपक्षी गठबन्धन के एक नेता जुराब जापरिज़े को हिरासत में लिया है। जॉजियाई मीडिया ने बताया कि जापारिद्वे को त्बिलिसी के इलिया चावचावद्जे एवेन्यू पर हिरासत में लिया गया।

6 वर्ष बाद बृहस्पति के करीब पहुँचेगा यान

नैनीताल। नासा ने पिछले साल 14 अक्टूबर को यूरोप बिलयन लॉन्च किया था। अन्तरिक्षान की यात्रा आगे बढ़ाते हुए 20 मिलियन किमी पार कर चुकी है। यान 35 किलोमीटर प्रति सेकेन्ड की गति से यात्रा कर रहा है और मार्च 2025 में मंगल ग्रह के करीब जा पहुँचेगा।

पुतिन अगले वर्ष करेंगे भारत की यात्रा

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन अगले वर्ष 2025 की शुरूआत में भारत की यात्रा पर नई दिल्ली जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।

प्रयागराज में होगा महाकुम्भ

महाकुम्भ 2025 का आयोजन उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में पौष महीने की पूर्णिमा को 13 जनवरी 2025 से विधिवत रूप से शुरू होगा। 26 फरवरी तक चलने वाले इस मेले में देश-विदेश के दस करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पहुँचने की सम्भावना है। यूपी सरकार ने महाकुम्भ के आयोजन को सुचारू और प्रभावी बनाने के लिये प्रयागराज के महाकुम्भ क्षेत्र को नया जिला घोषित किया है।

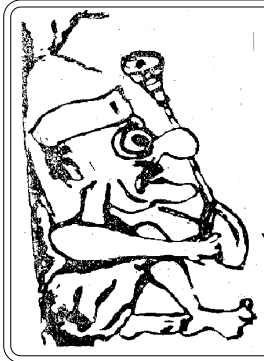

फसक

दाज्यू, नस्ल की अपनी ही बात होने वाली ठैरी

मिक्चर ब्राण्ड आइटम का बाजार गरम हो चुका है बल

दाज्यू, नैनीताल में पालिका की ओर से कुत्तों का पंजीकरण अभियान चलाया हुआ है। इसके बाद भी कई कुत्ता पालक पंजीकरण नहीं करवा रहे हैं बल। नगर पालिका ने प्रतिबन्धित नस्ल के कुत्ते पालने पर दो को नोटिस भी दिया है। दाज्यू, पालिका चाहे कुछ कर ले, नस्ल की अपनी ही बात होने वाली ठैरी। नस्लों से ही पहचान होती है और नस्लों से ही परवान चढ़ते हैं बल।

कलजुग आते-आते जानवरों का नस्ल सुधार कार्यक्रम भी खूब हो चुका है। खाने-पीने के सामान का नस्ल सुधार बेतहाशा हो चुका है। दाज्यू, अपने शहर में तो पता ही नहीं चल रहा है कौन किस नस्ल का है। यूपी, बिहार, आसाम, नागालैण्ड, नेपाल, पहाड़, मैदान सब जगह से 'आन मिलो सजना' सुनाई दे रहा है। दुनिया मुट्ठी में है बल। दाज्यू, दुनिया की तरक्की से डर भी लगने लगा है। भुप्पी दा कह रहे हैं- 'दिन भर चकमक और रातभर बेहिसाब नाच हो रहा है मोहल्ले में।' दाज्यू, मिक्चर ब्राण्ड आइटम का बाजार गरम हो चुका है बल। हल्द्वानी के बड़े कारोबारी को चकमा देकर भागी नौकरनी पकड़ में नहीं आ रही है। ऑनलाइन घर में काम के लिये रखी युवती ने पति-पत्नी को नशीला सूप पिलाकर बेहोश कर दिया और माल-मत्ता लेकर फरार हो गई। पुलिस ने नेपाल सीमा से लेकर बेंगलुरू तक छानबीन की बल। बहुत खतरनाक नस्ल के लोगों की दुनिया है।

रुद्रप्रयाग जिले में फर्जी डिग्री के आधार पर शिक्षा विभाग में नौकरी कर रहे दो शिक्षकों को जेल भेज दिया है। दाज्यू, पेट के लिये कितना कुछ नहीं करता है आदमी.....। अर्जी-फर्जी सब इसी दुनिया में होने वाला ठैरा। मिक्चर ब्राण्ड पता नहीं क्या-क्या कर रहे हैं उन्हें कोई नहीं पकड़ सकता। पकड़ भी लेगा तो क्या कर लेंगे? किस्स है- 'नंग बड़े परमेश्वर से'। नैनीताल जिले के धारी ब्लाक के राज.प्राथमिक विद्यालय पहाड़पानी में रविवार के अवकाश का लाभ उठाते हुए चोरों ने हजारों का सामान चोरी कर लिया। वे अपने साथ कम्प्यूटर, म्यूजिक सिस्टम व राशन उठा ले गये। दाज्यू, लोहाघाट के बाराकेट भगवती मन्दिर से चोर 60 घंटियां और अन्य सामान चुरा ले गये।

दाज्यू, राज्य निर्वाचन आयोग कह रहा है कि नगर निकायों के चुनाव में कूदने वाले उम्मीदवारों का आपराधिक इतिहास सार्वजनिक होगा। दाज्यू, इससे क्या जो होगा? सब मिक्चर आइटम ठैरा। -तुम्हारा भुली झकरुवा

गंगोलीहाट निकाय चुनाव की घमासान नारायण बोहरा दमदार तरीके से मैदान में

निकाय चुनाव की पारी जब खेली जाएगी देखा जायेगा लेकिन गंगोलीहाट में निकाय चुनाव के लिये साल भर लगातार तैयारी में लगे युवा नेताओं की बराबर चर्चा हो रही है। इस बीच कुछ ऐसी घटनाएं हुई हैं जिससे चुनाव गणित बदला भी है। नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिये दावेदारों में भाजपा कांग्रेस व निर्दलीय चेहरों की बराबर चर्चा में कांग्रेस के युवा नेता नारायण बोहरा दमदार तरीके से मैदान में दिखाई दे रहे हैं। पिछले चुनाव के अनुभव के साथ वह लगातार जनता के बीच किसी न किसी प्रकार गतिविधियों के द्वारा बने हुए हैं और उनका दावा है कि इस बार वह जनता का आशीर्वाद पा लेंगे। कांग्रेस की ओर से मैदान मारने के लिये मुकेश रावल का नाम भी चर्चा में रहा है लेकिन नारायण बोहरा जिस प्रकार से पार्टी नेताओं के सम्पर्क के अलावा चौकन्ने हैं उससे वह पूरी तैयारी में दिखाई दे रहे हैं। भाजपा की ओर से पूर्व चैयरमैन विमल रावल, सभासद भूपाल आर्य का नाम लगातार चर्चा में है लेकिन टिकट बंटवारे तक क्या स्थिति बनेगी यह बाद की बात है। पूर्व चैयरमैन जयश्री पाठक का नाम तो चर्चा में है ही क्योंकि वह कुर्सी पर रही हैं और पूर्व ब्लाक प्रमुख ललित पाठक की बात-व्यवहार से उनके पक्ष में भी जनमत हमेशा रहा है।

उल्लेखनीय है स्व. पप्पू रावल और स्व. हरीश धानिक 'भीमा' भी चैयरमैन के लिये मौका बना रहे थे लेकिन इन दोनों का असमय निधन चुनाव गणित को बदल चुका है। पप्पू रावल नगर निकाय का चुनाव लड़कर अनुभवी थे और कारोबारी के रूप में भी उनकी पकड़ थी। इसी प्रकार हरीश धानिक अपनी दबंगता और व्यापार संघ के नेता के रूप में उपस्थिति बनाए हुए थे। चुनाव में इन दोनों की कमी खलेगी।

निकाय चुनाव मे वार्डों के लिये भी तैयारी होने लगी है लेकिन सबका ध्यान नगर पालिका अध्यक्ष पद पर इसलिये है कि गंगोलीहाट में पहले विमल रावल, दूसरी बार जयश्री पाठक ने कमान संभाली थी। अब तीसरी बार में जब नगर पालिका के रूप में नवीन कार्य होने हैं, जनता किसको चुनेगी।

सामाजिक दायित्व के तहत केनरा बैंक की ओर से सहयोग

हल्द्वानी/मुनस्यारी। अग्रणीय बैंक केनरा की ओर से दरांती ग्राम में सहयोग किया गया जिसके सेतु बने भगवान सिंह बर्फाल। उनका यह प्रयास सराहनीय और प्रेरणादायी है।

भगवान सिंह बर्फाल, मण्डल प्रबन्धक केनरा बैंक, क्षेत्रिय कार्यालय के नेतृत्व में केनरा बैंक द्वारा सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व) के तहत, दरांती को 50000 रुपये का योगदान दिया है। इस मौके पर श्री बर्फाल ने कहा बैंक ने मेरे बचपन के स्कूल प्राइमरी पाठशाला जहाँ से मैंने अपनी प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की। मैं केनरा बैंक का बहुत आभारी हूँ क्योंकि इसके माध्यम से स्कूल के बच्चों को बुनियादी सुविधाएँ प्रदान की जा सकी। क्षेत्रवासियों ने श्री बर्फाल और उनके परिवार का बधाई दी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

राज-काज

आंखिरकार उत्तराखण्ड सरकार ने सेवाविस्तार देने से तौबा कर ली

आंखिरकार उत्तराखण्ड सरकार ने सेवा विस्तार देने से तौबा कर ली है। प्रमुख अभियन्ता लोक निर्माण दीपक कुमार यादव, प्रमुख अभियन्ता सिंचाई जयपाल सिंह और निदेशक प्रविधिक शिक्षा राजेन्द्र गुप्ता को 6 माह पूर्व दिये गये गये सेवाविस्तार की अवधि समाप्त हो जाने के बाद सरकार ने इन तीनों विभागाध्यक्षों के स्थान पर प्रभारी अधिकारियों की तैनाती के आदेश जारी कर दिये हैं। इसके अलावा जिलाधिकारी ऊधमसिंह नगर के पद पर तैनात उदयराज सिंह के तीन माह की सेवाविस्तार की अवधि समाप्त होने पर उनके स्थान पर 2011 बैच के आईएएस नितिन भदौरिया को नियुक्ति दी गई है ।

बता दें कि रिटायर्ड असिस्टेंट आडिट आफिसर रमेश चन्द्र पाण्डे ने इन अधिकारियों को दिये गये सेवाविस्तार को नियमविरुद्ध बताया था। श्री पाण्डे के अनुसार कार्मिकों की अधिवर्षता की आयु 58 के स्थान पर 60 वर्ष हो जाने के बाद सरकार द्वारा 11 जुलाई 2002 को वित्तीय हस्तपुस्तिका के खण्ड-2,भाग-2 से 4 के मूल नियम 56- क में संशोधन कर दिये जाने से राज्य में सेवाविस्तार

दिये जाने की व्यवस्था समाप्त हो गई थी। उनके द्वारा आरटीआई के जरिये भी इन्हें दिये गये सेवाविस्तार की पूरी सूचना मांगी थी और प्राप्त सूचना से भी यह स्पष्ट हो गया था कि सेवाविस्तार दिये जाने का कोई नियम नहीं है अलबत्ता पूर्व में दिये गये सेवाविस्तार के मामलों के आधार पर ही सेवाविस्तार दिया जाता रहा।

इस बीच उत्तराखण्ड पावर कॉर्पोरेशन के एमडी अनिल यादव को दिये गये सेवाविस्तार के मामले को लेकर सचिवालय में हुए विवाद के चलते सरकार ने सेवाविस्तार के मामले मे बैकफुट पर आना बेहतर समझा।

देर शाम प्रमुख अभियन्ता लोनिवि के पद का प्रभार मुख्य अभियन्ता स्तर -1 के पद पर तैनात राजेश चन्द्र को देने के आदेश जारी हुए। प्रमुख अभियन्ता सिंचाई के पद का प्रभार मुख्य अभियन्ता स्तर-2 के पद पर तैनात सुभाष चन्द्र को दिया गया है। इसके अलावा पता चला है कि निदेशक प्रविधिक शिक्षा के पद का प्रभार देश राज सिंह को दिया गया है। रिटायर्ड असिस्टेंट आडिट आफिसर रमेश चन्द्र पाण्डे ने सेवाविस्तार से तौबा करने के सरकार के निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस बीच सेवाविस्तार दिये जाने से खिन्न होकर प्रमुख अभियन्ता लोनिवि के पद पर पदोन्नति के लिए पात्र, मुख्य अभियन्ता स्तर -1 के पद पर तैनात अशोक कुमार द्वारा स्वैच्छिक सेवानिवृति हेतु दिये गये आवेदन को सरकार द्वारा 25 अक्टूबर 2024 को जिस तत्परता से स्वीकृति दी गई वह दुर्भाग्यपूर्ण रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि अशोक कुमार 1 जनवरी 24 से पदोन्नति के लिए पात्र थे लेकिन पदोन्ति न करके 31 मई को दीपक कुमार यादव को दोबारा 6 माह के लिए सेवाविस्तार दे दिये जाने से वे खिन्न थे।

अब आडिट टीम को उपस्थिति की पुष्टि हेतु भेजनी होगी सैल्फी

आडिट निदेशालय के आदेश की मंशा ठीक नहीं : पाण्डे

हल्द्वानी। राज्य के सरकारी, अर्द्धसरकारी एवं स्थानीय निकायों के लेखे जोखे का आडिट करने वाले लेखापरीक्षा कर्मियों को अब संस्था में अपनी उपस्थिति की पुष्टि कराने के लिए कार्यस्थल की पृष्ठभूमि के साथ सैल्फी खींचकर आडिट निदेशालय को भेजनी है। रिटायर्ड असिस्टेंट आडिट आफिसर रमेश चन्द्र पाण्डे ने आडिट निदेशालय से जारी इस आदेश की मंशा पर गम्भीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि यह तुगलकी फरमान सरासर हास्यास्पद एवं आडिट टीम की कार्य क्षमता पर प्रतिकूल असर डालने वाला है।

निदेशक आडिट विनोद कुमार सुमन के हस्ताक्षर से 9 अक्टूबर को जारी कार्यालय ज्ञाप मे कहा गया है कि लेखा परीक्षा दल के टीम लीडर और समस्त सदस्य समयबद्ध रूप से संस्था में उपस्थिति की पुष्टि हेतु प्रतिदिन पूर्वान्ह में 10 से 10-15 तथा अपरान्ह 4-30 से 5 बजे के बीच सम्बन्धित कार्यालय की पृष्ठभूमि के साथ अपनी फोटो निदेशालय में तैनात पर्यवेक्षक अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी के मोबाइल पर भेजेंगे।

उक्त निर्देशों का पालन नहीं किये जाने पर पहली बार चेतावनी और उसके बाद कर्मचारी आचरण नियमावली के प्राविधानों के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही करने को कहा गया है।

रिटायर्ड असिस्टेंट आडिट आफिसर रमेश चन्द्र पाण्डे ने कहा कि जब राज्य में सारा आडिट कार्य ऑनलाइन मैनेजमेन्ट सिस्टम में हो रहा है तो इस सिस्टम में कार्य करने वाले आडिट टीम की लोकेशन को कभी भी जी.पी.एस. (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) के जरिए चैक किया जा सकता है। इसके विपरीत उपस्थिति की पुष्टि के लिए जो आदेश जारी किये गये हैं वह औचित्यहीन व हास्यास्पद है। इससे आडिट टीम सहमी हुई हैं।

श्री पाण्डे के अनुसार लेखा परीक्षकों की कार्यस्थल पर किये गये कार्य की पुष्टि के लिए प्रमुख अभिलेख उनके द्वारा दी जाने वाली दैनन्दिनी(डायरी) है।

उन्होंने बताया कि इससे पूर्व निदेशालय द्वारा 24 जून 2021 को एक आदेश जारी कर लेखा परीक्षकों को ई-अटैन्डैन्स ऐप के जरिये उपस्थिति लगाने के आदेश दिये थे। उन्होंने बताया कि इस ऐप को बनाने मे दो लाख अठ्ठावन हजार का व्यय किया गया था। इस ऐप के चलते उपस्थिति की पुष्टि हेतु फोटो मांगे जाने के आदेश की मंशा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे आदेश को तत्काल निरस्त किया जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि बर्तमान में आडिट हेतु निदेशक सहित कुल 101 का स्टाफ कार्यरत है जिनमें 60 लेखा परीक्षक, 5 ज्येष्ठ लेखा परीक्षक, 14 सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी, 16 लेखा परीक्षा अधिकारी, एवं 5 उप निदेशक हैं।

भव्य अलखनाथ पूजन

मुनस्यारारी। ग्राम पो.मगर बला में भगवान अलखनाथ का भव्य पूजन समारोह हुआ। इस मौके पर कथा श्रवण और रात्रि में जागर, भजन के लिये ग्रामवासियों सहित विभिन्न स्थानों में निवास कर रहे श्रद्धालु पधारे।

ज्योतिष की बातें- 208

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य कोई भी ग्रह राशि परिवर्तन नहीं कर रहा है। सम्पूर्ण सप्ताह शनि मूलत्रिकोण राशि कुम्भ में, सूर्य व शुक्र मित्रराशि धनु व मकर में क्रमशः बुध समराशि वृश्चिक में, गुरु शत्रुराशि वृषभ में, मंगल नीचराशि कर्क में तथा चन्द्रमा इस सप्ताह मिथुन, कर्क व लसह राशि में क्रमशः गोचर करेगा। विशेष बात यह है कि इस समय सभी ग्रह उदितावस्था में हैं ।

21 दिसम्बर 2024 शनिवार को सूर्य सायनमान से मकर राशि में प्रवेश करेगा। उत्तरी गोलार्ध में दिनमान न्यूनतम होगा तथा दक्षिणी गोलार्ध में दिनमान अधिकतम होगा। शिशिर ऋतु का प्रारम्भ हो जाएगा। जो लोग वर्षभर त्रिफला चूर्ण का सेवन करते हैं उन्हें इस शिशिर ऋतु में थोड़ा सा पीपल का चूर्ण मिलाकर त्रिफला का सेवन करना चाहिए।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 99

व्यस्तता की पराकाष्ठा

आजकल बच्चे और बूढ़े भी अत्यन्त व्यस्त हैं। सुबह से शाम तक और पूरे 365 दिन सभी व्यस्त हैं। बच्चों को स्कूल छोड़ने जाना है, स्कूल से वापस लाना है, फिर कोचिंग के लिए भेजना है, वहाँ से वापस लाना है, पत्नी को उसके आफिस तक छोड़ना है आफिस से वापस भी लाना है। बेटे की शादी हो गई तो बहू को आफिस लाना ले जाना है, उसके नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्कूटी पर बैठाकर अस्पताल ले जाना है। नाती-पोते पैदा हो गये हैं तो उनको भी फिर से स्कूल लाना ले जाना है।

पता बदल गया है तो आधार कार्ड, वोट कार्ड आदि कागजादों में पता बदलने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने हैं। सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने के लिए उसका फार्म भरना है, कचहरी जाना है, फिर फार्म में करेक्शन भी करना है। सरकारी सुविधाओं का खाते में पैसा आया या नहीं इसके लिए बार-बार बैंक जाना है। प्रतिमाह एक तारीख को पेंशन या अन्य कोई सरकारी रेवड़ी खाते में आई या नहीं यह बैंक जाकर पता करना है, फिर बैंक में पासबुक भी तो छपवानी है। फोन नम्बर यदि बदल गया है तो उसको सभी जगह बदलवाना है। इसके बाद आधार कार्ड को भी तो सभी खातों से, योजनाओं से लिंक करवाना है।

यदि 40-45 साल उम्र हो गई है तो फुल बॉडी चैकअप के लिए नियमित रूप से टेस्ट करवाने हैं, डाक्टर से परामर्श भी लेना है, कोई बीमारी होने पर निरन्तर डाक्टर के सम्पर्क में रहना है।

इतना सब करने के बाद पड़ोसियों से मिलने के लिए, कोई सामाजिक कार्य के लिए, भगवत् चिन्तन के लिए समय बचा ही कहाँ? दोस्तों के साथ खेलने के लिए, मामा की शादी में जाने के लिए अथवा साले की बेटी की शादी में जाने के लिए समय कहाँ से निकलेगा। सरकारी योजनाओं के कारण, अनावश्यक कुप्रचार के कारण मनुष्य का जीवन एक मशीन की तरह बन गया है। इस पर विचार करना चाहिए ।

-सरल

रानीबाग में अंडरपास की तैयारी

हल्द्वानी। महानगर में सड़क चौड़ीकरण के साथ ही तिराहे, चौराहों को विस्तार दिया जा रही है। इसी क्रम में अब शहर से आगे के जाम की मुक्ति के लिये तैयारी होने लगी है। रानीबाग क्षेत्र में वाहनों की कतार और चरमराती यातायात व्यवस्था देखते हुए अण्डरपास की तैयारी है। जिला प्रशासन ने रानीबाग अण्डरपास बनाने के लिये जो प्रयास किये हैं उसके अनुसार लोनिवि के एनएच खण्ड ने विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने के लिये टेंडर जारी कर दिया है। जिले के मैदानी क्षेत्रों से नैनीताल और भीमताल की ओर आने वाले सभी वाहनों को रानीबाग तिराहे से होकर गुजरना होता है, यातायात के दबाव के कारण गुलाब घाटी में जाम होने लगा है। इन हालातों को देखते हुए जिला प्रशासन ने मंथन के बाद एनएच खण्ड को निर्देश दिये थे और अब रानीबाग अण्डरपास निर्माण के साथ ही गुलाबघाटी में सड़क चौड़ा करने के लिय डीपीआर बनाने का टेंडर जारी हो चुका है। 24 दिसम्बर को टेंडर खुलने के बाद अगली कार्रवाई होगी।

शारदा कॉरिडोर के लिये सर्वे कार्य तेज

टनकपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के ड्रीम प्राजेक्ट शारदा कॉरिडोर के लिये तेजी कार्य हो, इसके लिये सर्वे में भी तेजी है। एसडीएफ आकाश जोशी ने कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों के साथ सर्वे की स्थिति को लेकर चर्चा की। उन्होंने एजेंसी की धार्मिक और नैसर्गिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नए स्थलों को विकसित करने के लिये प्रस्ताव तैयार करने को कहा है। एसडीएम ने इगीस इण्डिया कंसल्टिंग इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के टीम लीडर अरुण कुमार सिंह और उनकी टीम से वर्तमान सर्वे के कार्य की जानकारी ली।

बताया गया कि कॉरिडोर में ट्रैफिक, ट्रान्सपोर्ट, होटल, टूरिज्म आदि पर सर्वे किया जा रहा है। माँ पूर्णागिरी धाम क्षेत्र, श्यामलाताल, टनकपुर-जौलजीवी रोड आदि में प्रस्तावित कार्यों का सर्वे किया जाना है। एसडीएम ने बताया कि कॉरिडोर के विकास को लेकर प्रारम्भिक सर्वे कार्य में तेजी के निर्देश दिये हैं। टनकपुर व आसपास का क्षेत्र इसमें शामिल है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

लोहाघाट ग्रोथ सेंटर को तीसरा स्थान

लोहाघाट। दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित व्यापार मेले में प्रगति आजीविका ग्रोथ सेन्टर लोहाघाट को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। मेले में ग्रोथ सेन्टर में तैयार तवे, चूल्हे, इंडक्शन चूल्हे के उपयोग में आने वाली कढ़ाई फ्राइपेन आदि बर्तनों के साथ्श ही कई तरह के कृषि यन्त्रों का स्टाल लगाया गया था।

गोरलचौड़ मार्ग पर राह हुई आसान

चम्पावत। जिला मुख्यालय स्थित गोरलचौड़ मार्ग में प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग एक करोड़ से अधिक के लागत से नाली निर्माण कार्य कर रहा है। इसके बाद इनकी कबरिंग से यह मार्ग चौड़ा होने से आवाजाही की राह आसान हो गई है।

धारपांगू के प्रभावितों की मांग

धारचूला। ग्राम पंचायत धारपांगू के तोक तांता रोतो के आपदा प्रभावितों ने धारचूला के बगीचा में बसाने की मांग को लेकर तहसीलदार पिंकी आर्य को ज्ञापन सौंपा। कहा कि तांता रोतो के 6 और ज्यूति पांगू के 4 परिवारों का नाम विस्थापन सूची में है लेकिन भूमि उपलब्ध होने के कारण वह भवन निर्माण नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें विस्थापित किया जाए।

पुल निर्माण लापरवाही लोनिवि थाराली घिरा

थराली। थराली-सूना-पैनगढ़ मोटर मार्ग पर पुल निर्माण को लेकर लोनिवि थराली पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए थराली के उपजिलाधिकारी ने डीएम चमोली को पत्र लित्रकर विभाग को निर्देश देने का आग्रह किया है। पत्र में सड़क पर प्राणमती मन्दिर में पुल आपदा की भेट चढ़ने और पैनगढ़ क्षेत्र में यातायात दिक्कतों का हवाला दिया है।

नियमितीकरण की मांग और पौधरोपण

नैनीताल। कुमाऊँ-गढ़वाल मण्डल विकास निगम के कर्मचारियों ने नियमितीकरण की मांग को लेकर पर्यावरण संरक्षण के सन्देश के साथ चल रहे पौधरोपण आन्दोलन को जारी किया हुआ है। तीन माह से चल रहे आन्दोलन में केवी गार्डन सूखाताल परिसर में विभिन्न प्रजाति के 150 पौधे रोपे गए।

बना में सड़क की मांग को लेकर ज्ञापन

बेरीनाग। नगर क्षेत्र के बना वार्ड वासियों ने सड़क की मांग को लेकर नगर पालिका कार्यालय में प्रदर्शन किया। अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि सड़क की मांग को लेकर विभिन्न मंचों पर अपनी बात कर चुके हैं लेकिन उन्हें आज तक झूठा आश्वासन मिला। यदि अबकी मांग पूरी नहीं की गई तो चुनाव में वोट नहीं देंगे।

काठगोदाम पुल और हाथी कॉरिडोर में रिवर ड्रेजिंग की संस्तुति

हल्द्वानी। गौला नदी से भूकटाव की रोकथाम के लिए काठगोदाम पुल, हाथी कॉरिडोर के समीप रिवर ड्रेजिंग की संस्तुति की है। इसी के साथ नदी में जगह-जगह लगे मलबे के टापू को निस्तारण का भी सुझाव दिया गया है।

सितम्बर 2024 में अतिबृष्टि से गौला नदी उफान पर आ गई थी, इसके बाद नदी ने हल्द्वानी रेलवे स्टेशन की ओर भूकटाव किया और गौला पुल के पास तक टूटफूट हुई। आज भी गौलापुल के पास सड़क की मरम्मत का कार्य चल रहा है। जिसके बाद डीएम वन्दना सिंह ने प्रशासन, लोनिव, वन, खनन, सिंचाई, रेलवे, राजस्व, वन विकास निगम और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की संयुक्त टीम बनाई थी। इस संयुक्त टीम को गौला नदी का सर्वे करने और भूकटाव की रोकथाम के लिए ठोस कार्ययोजना का प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद टीम ने गौला नदी का स्थलीय और जीपीएस ड्रोन सर्वे किया और भूकटाव की रोकथाम को रिपोर्ट बनाई है। रिपोर्ट के अनुसार गौला के काठगोदाम पुल के पास खनन प्रतिबन्धित है इसलिए मलबा जमा हो गया है और एक तरह से टीला बन गया है जो पुल को नुकसान के साथ ही पानी के बहाव की दिशा भी बदल रहा है। इसी तरह हाथी कॉरिडोर में भी मलबे की टीलें जमा हो गए हैं।

गस्कू-कुरीला मोटर मार्ग निर्माण हो

धारचूला। सीमान्त के गस्कू-कुरीला मोटर मार्ग आठ साल बीतने के बाद भी अधूरा है। सड़क निर्माण में हो रही देरी से क्षेत्रवासी बेहद नाराज हैं। समाजसेवी शकुन्तला दताल ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र सड़क निर्माण कार्य करने को लेकर निर्माणदायी कम्पनी को निर्देशित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 22.07 किमी लम्बी छोटी पांगला (गस्कू)-जयकोट-कुरीला मोटर मार्ग का निर्माण कार्य वर्ष 2016 में शुरू हो गया था। 16 करोड़ की लागत से बन रही सड़क का निर्माण कार्य अभी तक पूरा नहीं हो सकाह है। निर्माणदायी एजेंसी पर कार्य में ढिलाई बरतने का आरोप लगाते हुए पत्र में कहा कि यदि संस्था सड़क निर्माण कार्य में असमर्थ है तो यह कार्य किसी दूसरी संस्था को सौंप देना चाहिये। यदि शीघ्र यातायात सुविधा शुरू नहीं की गई तो क्षेत्र की जनता आन्दोलन के लिये बाध्य होगी।

यमुना और रंवाई घाटी में देवलांग

पुरोला। यमुनाघाटी क्षेत्र में दीपावली के एक माह बाद अमावस को गैर बनाल, गंगटाड़ी और कुथनौर में देवलांग पर्व की धूम रही। पूरी यमुना घाटी में मंगसीर बग्वाल विभिन्न गाँव में बड़े उत्साह से हुई। ऐतिहासिक देवलांग पर्व पर दूर-दूर से लोग पहुँचे और पारम्परिक रीति रिवाज से देवलांग मनाया। रंवाई घाटी में देवलांग पर्व दीपावली के ठीक एक महीने बाद मंगसीर की बग्वाल के रूप में मनाया जाता है। रवांई घाटी में प्रमुख रूप से बनाल पट्टी के गैर गाँव में मनाया जाता है। इसके साथ ही ठकराल पट्टी के गंगटाड़ी तथा वजरी पट्टी के कुथनौर गाँव में भी मनाया जाता है।

ग्रामीणों ने देवलांग पर्व पर ढोल नगाड़ों के साथ साठी और पानशाही के रूप में अलग-अलग समूह में नृत्यगीत करते हुए पूजा अर्चना की। रात्रि में तांदी नृत्य के बाद प्रातः देवलांग की विधिवत पूजा हुई। इस मौके पर सरदार सिंह रावत, राजपाल पंवार आदि थे।

परिक्रमा

बागेश्वर में 7दिन होगा उत्तरायणी मेला

बागेश्वर। पौराणिक उत्तरायणी मेले की तैयारियों को लेकर डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में तय किया गया कि 13 जनवरी से शुरू होने वाला मेला सात दिन तक चलेगा।

जिला कार्यालय सभागार हुई बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तरायणी मेला बागेश्वर की पहचान है। मेले को शान्तिपूर्वक, साफ व स्वच्छ सम्पन्न करने के लिये सभी का सहयोग जरूरी है। कहा कि मेले की महत्ता को संरक्षित करते हुए इसका आयोजन किया जायेगा।

डीएम ने कहा कि मेला परिसर सीसीटीवी कैमरे निगरानी में रहेगा। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के बड़े इन्तजाम किए जाएंगे। सांस्कृतिक झांकियों के संचालन के समय वाहनों का आवागमन बन्द रखेंगे, इसके लिए पुलिस विभाग को निर्देश दिए गए।

सफाई व्यवस्था पर चर्चा करते हुए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सहित अधिशासी अभियन्ता लोनिवि, सिंचाई व एनएच को मेला शुरू होने से पूर्व सड़कों, नालियों, गलियों, मेला क्षेत्र, नदी तट, घाटों मन्दिरों आदि की पर्याप्त सफाई के निर्देश दिए।

नन्धौर अभ्यारण्य में जंगल सफारी शुरू

टनकपुर। नन्धौर वन्य जीव अभ्यारण्य के टनकपुर ककरालीगेट से चोरगलिया तक जंगल सफारी के रास्तों को दुरुस्त कर दिया गया है। मार्ग सुविधा होने के बाद अभ्यारण्य में पर्यटकों की आवाजाही भी शुरू हो गई है।

शारदा रेंज की उप प्रभागीतय वन अधिकारी डा. शालिनी जोशी ने बताया कि वन क्षेत्राधिकारी नन्धौर भूपाल सिंह मेहता, डांडा डा. प्रदीप पन्त, शारदा पून चन्द्र जोशी व जौलसाल सुनील शर्मा की देखरेख में हल्द्वानी-टनकपुर वन मोटर मार्ग तथा सेनापानी से बाबा की कुटिया तक वन मोहर मार्ग को पूर्णतः दुरुस्त कर दिया गया है। शारदा रेंज के अन्तर्गत साजगाड़ वैली (कलौलिया से कठौल डांडा) मोटर मार्ग को और व्यवस्थित किया जा रहा है। साथ ही पर्यटकों की सुविधा के लिये सफारी की विशेष व्यवस्था एवं विश्राम भवनों में सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

29 से औली में होंगे शीतकालीन खेल

देहरादून। भारतीय ओलम्पिक संघ ने राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों की मेजबानी उत्तराखण्ड को दी है। औली में शीतकालीन खेलों का आयोजन 29 जनवरी से दो फरवरी तक किया जायेगा। इसके तहत अल्पाइन सलालम, जाइंट सलालम, स्नो बोर्ड, नोडिक, स्की माउंटेनिंग प्रतियोगिता होंगी।

मौसम ठी रहा तो देश के स्कीइंग खिलाड़ी औली के ढलानों पर हुनर दिखाएंगे। पर्यटन विभाग विंटर गेम्स एसोसिएशन गढ़वाल मण्डल विकास निगम और भारतीय ओलम्पिक एसोसिएशन की बैठक में औली में शीत कालीन खेलों को लेकर चर्चा की गई। विंटर गेम्स एसोसिएशन के सचिव अजय भट्ट ने बताया कि पर्यटन विभाग और विंटर गेम्स एसोसिएशन के सहयोग से औली में राष्ट्रीय शीतकालीन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। 29 जनवरी से 2 फरवरी तक औली में सीनियर राष्ट्रीय स्कीइंग प्रतियोगिता होगी। विंटर गेम्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हर्षमणी व्यास, संरक्षक लक्ष्मण मेहता आदि बैठक में थे।

28 जनवरी से राष्ट्रीय खेल

उत्तराखण्ड में 38वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन 28 जनवरी से 14 फरवरी तक होगा। भारतीय ओलम्पिक संघ ने अनुमति के बाद खेल मंत्री रेखा आर्य ने बताया कि इस सत्र में 32 मुख्य और चार प्रदर्शनी खेलों का आयोजन किया जायेगा जिसमें योगासन और मलखम्भ भी शामिल है।

मुनस्यारी महोत्सव में रंगारंग प्रस्तुति

मुनस्यारी। कड़ाके की ठण्ड के बावजूद इस बार भी मुनस्यारी महोत्सव में रंगारंग प्रस्तुतियों ने समा बांधा। सांस्कृतिक दलों के अलावा स्थानीय कलाकारों ने मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। महोत्सव में स्थानीय उत्पादों के अलावा स्टाल लगाये गये थे। सांस्कृतिक संध्या में विधायक हरीश धामी, भगत डसीला, मनोहर टोलिया, हीरा चिराल, जगत बृजवाल, जगत महर, शंकर धर्मशक्तू, संदीप द्विवेदी, राजू पांगती, लक्ष्मण सिंह पांगती सहित तमाम लोग थे।

मंगसीर बग्वाल में माधो सिंह की झांकी

उत्तरकाशी। अनघा माउंटेन एसोसिएशन द्वारा आयोजित मंगसीर मग्वाल के अवसर पर कंडार मन्दिर में भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर वीर भड़ माधो सिंह भण्डारी तथा उनके पीछे उनकी सेना की सुन्दर झांकी बाजार में निकाली गई। रामलीला मैदान में चीड़ व देवदार से बने छिलकों भैलों को जलाकर घुमाया गया और दर्शक झूमते रहे।

कर्णप्रयाग में चार मंजिला पार्किंग भवन

कर्णप्रयाग। गढ़वाल-कुमाऊँ के केन्द्र कर्णप्रयाग में वाहनों को खड़ा करने के लिये हो रही दिक्कतों को देखते हुए शासन प्रशासन ने चार मंजिला पार्किंग भवन निर्णय लिया है। इससे तीर्थयात्रियों व गैरसैंण जाने वालों को जाम से निजात मिलेगी। जनता द्वारा लम्बे समय से उठाई जा रही इस मांग पर रामलीला मैदान अपर बाजार में लगे गधेरे व रमेश गैरोला के भवन के पास यह बनना है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

-------बात किताबों की-------

अपनों की असल-कुशल रखने का सद्प्रयास
'ज्वार-मुनस्यार खोज-खबर अता-पता'

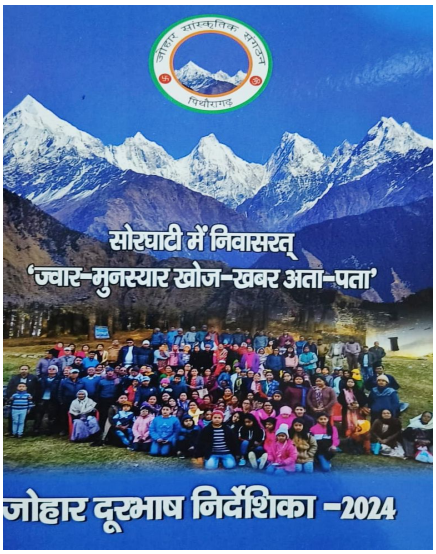

जोहार सांस्कृतिक संगठन पिथौरागढ़ ने सोरघाटी में निवासरत् अपने लोगों की दूरभाष निर्देशिका तैयार की है। दरअसल यह मात्र दूरभाष नम्बर एकत्र करना नहीं है बल्कि अपनों की असल-कुशल रखने का सद्प्रयास है। 'ज्वार-मुनस्यार खोज-खबर अता-पता' के रूप में तैयार पुस्तिक में संगठन के विवरण सहित अपनी माटी की खुशबू महकती लगती है।

जोहार सांस्कृतिक संगठन की कार्यकारिणी के संरक्षक मण्डल में लक्ष्मण सिंह मपवाल, देवराज सिंह पांगती, हयात सिंह टोलिया, केदार सिंह लस्पाल, बहादुर सिंह धर्मशक्तू, राजेन्द्र सिंह रावत, श्रीमती देवकी देवी रावत हैं। सलाहकार सदस्यों में सुन्दर सिंह रावत, कालू सिंह धर्मशक्तू, जगत सिंह मर्तोलिया, महेन्द्र सिंह क्वीरियाल, लक्ष्मण सिंह टोलिया, भूपाल सिंह लस्पाल हैं। संगठन के अध्यक्ष भूपाल सिंह बर्फाल, उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह मपवाल, कोषाध्यक्ष सुन्दर सिंह मर्तोलिया, मीडिया प्रभारी कपिल मेहता, आय-व्यय निरीक्षक गोविन्द सिंह धपवाल सक्रिय हैं।

गतितिवियों के संचालन में संगठन की चहल-पहल मोहित करने वाली है। खेल एवं सांस्कृति संयोजक कैलाश सिंह टोलिया, नरेन्द्र सिंह रावत, भूपेन्द्र सिंह मर्तोलिया के अलावा संयोजन में ई. रणजीत सिंह धर्मशक्तू, लक्ष्मण सिंह पांगती, त्रिलोक सिंह टोलिया, कल्याण सिंह राणा हैं।

संगठन ने सोर घाटी में जिस प्रकार से संगठनात्मक गतिविधियों को संचालित किया है वह खोज-खबर, सुख-दु:ख के वास्ते ठोस कदम है। संगठन के संरक्षक डॉ.देवराज सिंह पांगती कहते हैं- 'संगठन का प्रयास भविष्य में जोहारी समाज की एकजुटता में मील का पत्थर साबित होगा।' बहादुर सिंह धर्मशक्तू कहते हैं- 'निर्देशिका के माध्यम से जोहार घाटी के जो भी परिवार सोरघाटी में निवास कर रहे हैं, उन सभी को एक दूसरे को जानने पहिचानने में सेतु का कार्य करेगा।'

संगठन के अध्यक्ष और हमेशा से अपनी संस्कृति के लिये जागरूक भूपाल सिंह बर्फाल अपने ग्राम दरांती के लिये जितने कर्मठ हैं, उतना ही सोरघाटी में शौकाओं के संठन के लिये समर्पित हैं। वह कहते हैं- 'सन् 2016 में जोहारी निर्देशिका के प्रथम संस्करण के प्रकाशन हमारे सामज के प्रबुद्ध स्व.डॉ.बृजमोहन सिंह टोलिया जी की दूरदृष्टि सोच सोरघाटी में जोहारियों का एक मजबूत संगठन जिसका उद्देश्य अपने समाज से जुड़ाव, अपनी बोली-भाषा, संस्कृति का उत्थान तथा जोहार वासियों का सर्वांगीण विकास करना था। आज हम उनके द्वारा दिखाये गये पदचिह्नों पर चलने तथा अनुसरण करते हुए जोहार सांस्कृतिक संगठन पिथौरागढ़ रूपी पौंधे को सींचने का एक छोटा सा प्रयास हमारे पदाधिकारियों सदस्यों द्वारा किया जा रहा है। इसी कम में जोहारी दूरभाष निर्देशिका के द्वितीय संस्करण का प्रकाशन किया गया है।'

संगठन के सचिव गणेश मर्तोलिया इसे दूरदर्शी सोच बताते हुए कहते है। नई पीढ़ी को जोड़े रखने के लिये यह सब जरूरी है।

असल-कुशल लेते रहने के लिये इस प्रकार के प्रयास बहुत उपयोगी हैं। सोरघाटी में अपनों को तलाशते हुए उनके सम्पर्क का माध्यम बनी दूरभाष निर्देशिका के अलावा संगठन द्वारा की जा रही गतिविधियों ने सभी के लिये सन्देश दिया है कि वर्ष में कुछ भले अवसर सामूहिक होने चाहिये।

गाथाओं के साथ लोक कलाकार की बात
डॉ.प्रयाग जोशी ने गायक से उकेरा है इसे

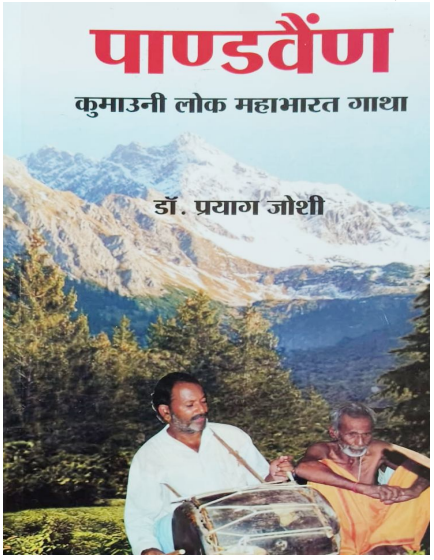

लोकगाथाओं पर अथाह कार्य कर चुके अध्येता डॉ. प्रयाग जोशी की नई कृति 'पाण्डवैंण' इन दिनों चर्चा में है। कुमाउंनी लोक महाभारत गाथा की प्रस्तुति के साथ ही डॉ. जोशी ने इसके गायक से जो उकेरा है वह समाज का सच्चा दर्पण है। गाथा के साथ इसे गाने वाला किस तरह से अपनी बात रखता है और अपने मन और लोक को बहलाना छोड़ उन सच्चाईयों को उजागर करता है जो लोक में हैं।

देवभूमि प्रकाशन हल्द्वानी से प्रकाशित पाण्डवैंण : कुमाउनी लोक महाभारत गाथा को लेखक ने साक्षर जगरियों की वर्तमान व भावी पीढ़ियों को समर्पण किया है। वह अपने आमुख में ही लिख देते हैं कि उन्होंने 1966 में आठूँ, पवाड़ा, जागरवार्ता, ऋतुरैंण, गारुड़ी और प्रकीर्ण नाम की छः लोक सांस्कृतिक परम्पराओं को आधार मानकर उनसे जुड़ी कुमाऊँ, गढ़वाल और जौनसार बावर की लोक गाथाओं के संकलन की शुरुआत की थी।

डॉ. प्रयाग जोशी ने संकलन कार्य के साठ-सत्तर के दशकों में 'पाण्डवैंण' नाम से प्रचलित महाभारत विषयक लोकगाथाओं पर रुचि ली उनका ध्यान पिथौरागढ़ के बड्डा कस्बे के निकट चौपख्या गाँव में गिरधर सिंह जगरिया पर गया। आखिर गाथा गायक किस प्रकार से इसे बुनता चला जाता है और उनकी व लोक की भी कहता रहता है, इसके लिये जोशी जी ने गिरधर से जो बातें सुनी और तनमयता से उसे सुना, उससे पता चला कि महर्षि व्यास रचित महाभारत 18 पर्वों का है। पाण्डवैंण में 12 खण्ड ही गाये जाते हैं। इन्हें 'छ्यौंट' कहा जाता है और यह जस की तस महाभारत कथाएं नहीं हैं। महासमर का प्रसंग जागर के लोकोद्देश्य को उलट देता है। समर के 'बीज' बटवारे और तज्जन्य गृह-कलह में थे जिससे विद्वेष की अग्नि पैदा हुई थी। इसलिए लौकिक 'भारत' में उनका उल्लेख नहीं होता। जागर सिर्फ लोकगाथा गायन नहीं है, वह 'जागर परम्परा' का आनुसांगिक आयोजन है। जागर भूतियोनि में गए हुए मृतक परिजन के उद्धार की लोकस्वीकृत प्रविधि है जिसमें 'मृतक' के भूत को अन्य के शरीर में अवतरित किया जाता है।

'पाण्डवैंण' महाभारत गाथा पर चौपख्या जाकरं जितना कुछ डॉ.जोशी ने जाना था उससे बाद इसका पूरण मोतीसिंह के पास जाकर हुआ। अध्येता डॉ. राम सिंह ने जोशी जी को बताया था कि मोतीसिंह पूरी गाथा का जानकार है। सम्वेदनशील लोकविद स्व.रामसिंह ने जिस प्रकार से इस कार्य के लिये मदद की उसका उल्लेख भी पुस्तक में किया गया है। चूंकि डॉ.प्रयाग केवल कथा श्रुतियों को टीपने पर विश्वास नहीं करते हैं, वह तो पूरी परम्परा और उसके मर्म को जानना चाहते हैं और इसके रहस्यों को अपने अध्ययन द्वारा जनता के सामने लाते रहे हैं। ऐसा ही उन्होंने इस कृति में भी किया है। महाभारत और इससे आगे 'भारती' की विरादरी और लीक पीटने वाली नारायणी-परिपाटी पर चलने वाली जाति के अगवाओं के बीच की बारीकियों को बताया है, जो बेहद रुचिकर व जानकारी भरा है।

पिघलता हिमालय के बढ़ते कदमों के साथ-

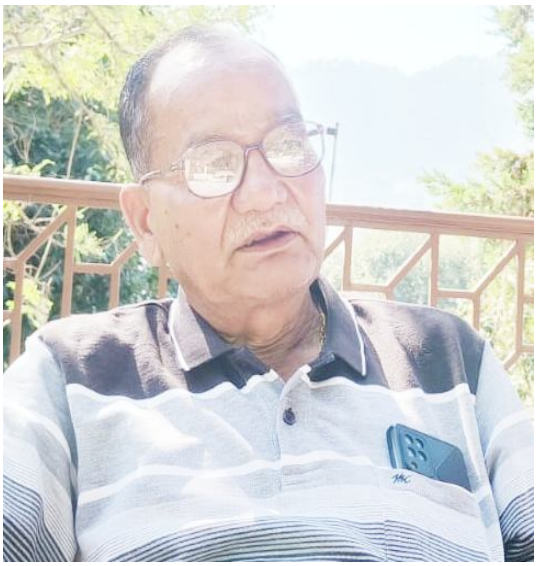

काशी सिंह ऐरी

संरक्षक
उत्तराखण्ड क्रान्ति दल
राज्य आन्दोलनकारी
पूर्व विधायक

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

सम्पर्क 7351285555

नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

मो.- 9458920379, 6396098804

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise

Bus Station Munsiari

Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

www.mountainheights.in

मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल

भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)

गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी

मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

MARTOLIA FURNITURE

A unit of Martolia Enterprises

Pilikothi, Haldwani

Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari

A Home Away From Home & Home Stay

Phone: (05961) 222287

पिघलता हिमालय के बढ़ते कदमों के साथ-

हरीश सिंह धपवाल

(सेनि.असि.कमिश्नर राज्यकर जीएसटी)

बागनाथ कालोनी, बिठौरिया नं.1

पो.हरिपुरनायक, हल्द्वानी

दिनेश वर्मा

(स्वर्णाभूषण का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)

जौलजीवी

छत्तर सिंह जंगपांगी

जोहार कालोनी, पुलिस लाइन

पिथौरागढ़

धाम सिंह बर्फाल

मल्ला दुम्मर

मुनस्यारी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)